30 साल से स्कूल बाउंड्री की मांग अधूरी सरपंच ने बांस-बल्लियों से घेरा स्कूल

तोकापाल ब्लॉक के मुसरीगुडा प्राथमिक शाला का हाल

✹ जुगाड़ की बाउंड्रीवाल खड़ी कर बच्चों को सुरक्षित करने का उठाया बीड़ा

तोकापाल 17 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। आजादी के अमृत काल में जहाँ स्मार्ट स्कूलों की बातें हो रही हैं, वहीं तोकापाल ब्लॉक मुख्यालय से महज 2 किलोमीटर दूर राजुर पंचायत-1 के प्राथमिक शाला मुसरीगुडा की तस्वीर शासन-प्रशासन की उदासीनता बयां कर रही है। पिछले 30 वर्षों से स्कूल की बाउंड्रीवाल के लिए ग्रामीण और स्कूल प्रबंधन गुहार लगा रहे थे, लेकिन जब फाइलें दफ्तरों से बाहर नहीं निकलीं, तो सरपंच अमित भंडारी ने जुगाड़ की बाउंड्रीवाल खड़ी कर बच्चों को सुरक्षित करने का बीड़ा उठाया।

राजुर पंचायत के सरपंच ने बताया कि स्कूल के ठीक पास से मुख्य सड़क गुजरती है, जहाँ वाहनों की आवाजाही से हमेशा किसी अनहोनी का डर बना रहता है। इतना ही नहीं, बाउंड्री न होने के कारण आवारा कुत्ते स्कूल परिसर में घुस जाते हैं, जिससे छोटे बच्चों की सुरक्षा पर खतरा मंडराता रहता है। बार-बार ज्ञापन सौंपने के बाद भी बजट का रोना रोते हुए प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद पंचायत स्तर पर स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर अस्थायी घेराव किया गया।

ग्रामीणों में रोष

ग्रामीणों का कहना है कि ब्लॉक मुख्यालय के इतने करीब होने के बावजूद स्कूल की उपेक्षा समझ से परे है। सरपंच के इस साहसिक कदम की सराहना तो हो रही है, लेकिन यह सवाल भी खड़ा हो रहा है कि क्या अब बुनियादी ढांचे के लिए भी पंचायतों को अपने भरोसे ही रहना होगा?

सड़क और कुत्तों का दोहरा खतरा

मुसरीगुडा स्कूल के पास स्थित सड़क पर तेज रफ्तार गाड़ियां चलती हैं। खेल-खेल में बच्चे अक्सर सड़क की ओर निकल जाते थे। इसके अलावा, परिसर में आवारा कुत्तों के आतंक से बच्चे सहमे रहते थे। सरपंच अमित भंडारी ने बताया कि ÷हमने प्रशासन से थक-हार कर यह जुगाड़ वाली बाउंड्री बनाई है, ताकि कम से कम बच्चे परिसर के भीतर सुरक्षित रह सकें।

फाइलों में कैद रही बाउंड्रीवाल की मंजूरी

प्राथमिक शाला मुसरीगुडा के निर्माण के बाद से ही बाउंड्री की मांग की जा रही है। तीन दशक बीत गए, कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन इस स्कूल की तकदीर नहीं बदली। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन को इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल संज्ञान लेना चाहिए और यहाँ स्थायी पक्की बाउंड्रीवाल का निर्माण कराना चाहिए।

नक्सलवाद के अंत का काउंटडाउन लाल आतंक से मुक्त होगा बस्तर

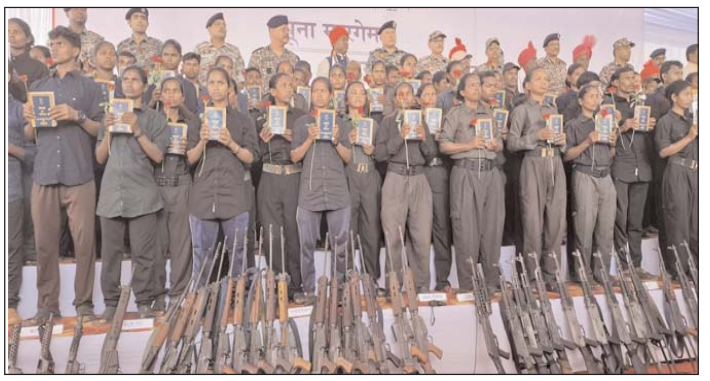

छग में अब केवल 6 जिलों में सिमटी चुनौती, सुरक्षा बलों ने कसी कमर

जगदलपुर, 17 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। भारत सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की साझा प्रतिबद्धता के साथ बस्तर रेंज में शांति और विकास का एक नया सवेरा होने जा रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित 31 मार्च 2026 की समय-सीमा के भीतर देश से नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य अब निर्णायक मोड़ पर है। बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने स्पष्ट किया कि सातों जिलों में समन्वित और बहुआयामी कार्ययोजना लागू की गई है, जिससे माओवादी विचारधारा का स्थायी अंत सुनिश्चित किया जा सके। हाल ही में भारत सरकार द्वारा जारी नवीनतम सूची के अनुसार, देश में अब केवल 6 जिले ही नक्सल प्रभावित श्रेणी में शेष बचे हैं, जो सुरक्षा बलों के लिए टॉप प्रायोरिटी पर हैं। इनमें बस्तर संभाग के तीन प्रमुख जिले सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर शामिल हैं। आईजी सुंदरराज पी के अनुसार, फोर्स अब नई रणनीति के तहत इन क्षेत्रों में सघन ऑपरेशन चला रही है।

ऑपरेशन के साथ विकास पर जोर

सुरक्षा एजेंसियों की रणनीति अब दोहरे स्तर पर काम कर रही है। एक ओर जहाँ सघन एंटी-नक्सल ऑपरेशन के जरिए नक्सलियों के लॉजिस्टिक और फंडिंग नेटवर्क को ध्वस्त किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार कर ग्रामीणों में विश्वास बहाल किया जा रहा है। 2025 में माड़वी हिड़मा जैसे बड़े चेहरों के खात्मे के बाद नक्सली संगठन पूरी तरह बिखर चुका है।

वैवाहिक वर्षगांठ पर अनूठी मिसाल, डॉक्टर चायवाला ने प्रसूति वार्ड में लगवाया गीजर

डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में नवजातों और माताओं को अब मिलेगा गर्म पानी

जगदलपुर 17 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। शहर में अपनी सेवा भावना के लिए डॉक्टर चायवाला के नाम से मशहूर अशोक जायसवाल ने अपनी शादी की सालगिरह को यादगार बनाने के लिए एक अनुकरणीय पहल की है। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत खुशी को समाज सेवा से जोड़ते हुए महारानी अस्पताल एवं डिमरापाल चिकित्सा महाविद्यालय के प्रसूति वार्ड में गीजर मशीन लगवाई है, ताकि कड़ाके की ठंड और रात के समय माताओं व नवजातों को गर्म पानी की किल्लत न हो। अक्सर देखा जाता है कि प्रसूति वार्ड में भर्ती महिलाओं को नवजात शिशुओं की साफ-सफाई और स्वयं के स्वास्थ्य के लिए गर्म पानी की सख्त जरूरत होती है। अस्पताल में पर्याप्त व्यवस्था न होने पर परिजनों को भटकना पड़ता था। अशोक जायसवाल की इस पहल से अब वार्ड में भर्ती माताओं को बड़ी राहत मिलेगी।

सेवा ही सबसे बड़ा आशीर्वादः अशोक

इस अवसर पर अशोक जायसवाल ने भावुक होते हुए कहा कि वैवाहिक वर्षगांठ केवल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर है। उन्होंने कहा, यदि हमारे एक छोटे से प्रयास से किसी माँ को सुविधा और नवजात को सुरक्षा मिलती है, तो हमारे लिए इससे बड़ा कोई आशीर्वाद नहीं हो सकता। समाज के हर सक्षम व्यक्ति को अपने विशेष दिनों को सेवा कार्यों से जोड़ना चाहिए।

अस्पताल प्रबंधन ने जताया आभार

अस्पताल प्रशासन ने इस संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे व्यक्तिगत प्रयास सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं। अशोक जायसवाल की यह पहल शहर के अन्य व्यवसायियों और प्रबुद्ध नागरिकों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

बस्तर के नन्हे वैज्ञानिकों ने उड़ीसा में हासिल किया अनुभव आधारित ब्रह्मांड ज्ञान

✹ राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत शैक्षणिक भ्रमण संपन्न

जगदलपुर, 17 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। बस्तर जिले के विद्यार्थियों के लिए किताबी ज्ञान अब केवल पन्नों तक सीमित न रहकर वास्तविकता के धरातल पर उतर आया है। समग्र शिक्षा राज्य कार्यालय रायपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत बस्तर जिले के चयनित विद्यार्थियों का उड़ीसा राज्य के भुवनेश्वर एवं पुरी का अंतरराज्यीय शैक्षणिक भ्रमण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिला कलेक्टर आकाश छिकारा और जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान, गणित, नवाचार और भारतीय संस्कृति के प्रति गहरी समझ विकसित करना रहा। जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने इस बारे में बताया कि यह शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के समग्र व्यक्तित्व विकास को मद्देनजर रखते हुए तय किया गया है।जिला मिशन परियोजना समन्वयक अशोक पांडे और एबीईओ राजेश गुप्ता द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किए गए इस 20 सदस्यीय दल ने अपनी यात्रा के दौरान शिक्षा और मनोरंजन के अद्भुत संगम का अनुभव किया। शैक्षणिक भ्रमण की शुरुआत भुवनेश्वर स्थित क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय से हुई, जहाँ विद्यार्थियों ने विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों और जीव-जंतुओं के जीवाश्मों का गहन अध्ययन किया। विशालकाय व्हेल और मगरमच्छ के कंकालों को देखकर बच्चों ने जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन की अनिवार्यता को समझा। इसके पश्चात पठानी सामंत प्लेनेटेरियम के सत्र ने बच्चों को ब्रह्मांड की उत्पत्ति, तारों के जीवन चक्र और ग्रहों की कार्यप्रणाली के रहस्यों से रूबरू कराया, जो उनके लिए किसी रोमांचक सपने से कम नहीं था। वैज्ञानिक दृष्टिकोण को और मजबूती देने के लिए दल ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र का रुख किया, जहाँ जुरासिक पार्क, गणित और दर्पण गैलरी में स्थापित मॉडलों को बच्चों ने स्वयं प्रयोग करके सीखा। यहाँ मार्गदर्शक शिक्षक मनीष कुमार अहीर और दीप्ति ठाकुर ने जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को अत्यंत सरल भाषा में विद्यार्थियों के समक्ष स्पष्ट किया।

प्रकृति के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को नंदनकानन वन्यप्राणी अभयारण्य ले जाया गया, जहाँ शेर, बाघ और विभिन्न सरीसृपों को प्रत्यक्ष देखकर उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा हुई। ज्ञान की यह धारा केवल विज्ञान तक सीमित नहीं रही, बल्कि पुरी के ऐतिहासिक जगन्नाथ मंदिर और लिंगराज मंदिर के दर्शन कर विद्यार्थियों ने प्राचीन भारतीय वास्तुकला और धार्मिक परंपराओं के महत्व को जाना। विश्व प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर की स्थापत्य कला और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ने बच्चों को भारत की समृद्ध विरासत पर गर्व करने का अवसर दिया। पुरी बीच पर बिताए समय के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल समुद्री पारिस्थितिक तंत्र और ज्वार-भाटा की प्रक्रिया को समझा, बल्कि प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों के प्रति भी सजगता दिखाई।

सांसद ने बालेंगा में 2.82 करोड़ के तटरक्षण कार्य का किया भूमिपूजन, मारकंडी नदी के कटाव से ग्रामीणों को मिलेगी मुक्ति

जगदलपुर, 17 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। बस्तर के विकास और ग्रामीणों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सांसद महेश कश्यप ने ग्राम बालेन्गा के समीप मारकंडी नदी पर महत्वपूर्ण तटरक्षण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर शुभारंभ किया। जल संसाधन विभाग द्वारा स्वीकृत इस परियोजना की कुल लागत 2 करोड़ 82 लाख रुपये है, जो क्षेत्र में नदी के कटाव को रोकने और तटवर्ती कृषि भूमि को बचाने में मील का पत्थर साबित होगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ दंतेश्वरी और छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुआ।

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद महेश कश्यप ने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार बस्तर के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मारकंडी नदी के जलस्तर में वृद्धि और तेज बहाव के कारण हर साल ग्रामीणों की उपजाऊ भूमि का कटाव होता था, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। इस तटरक्षण कार्य के पूर्ण होने से न केवल ग्रामीणों की जमीन सुरक्षित होगी, बल्कि भविष्य में बाढ़ जैसे खतरों से भी गांव को सुरक्षा कवच मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य की गुणवत्ता में कोई समझौता न हो और इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि आने वाले मानसून से पहले इसका लाभ ग्रामीणों को मिलने लगे। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए सांसद और प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए खुशी जाहिर की।

श्वेत क्रांति की राह पर बस्तर

✹ बनासकांठा की बनास डेयरी और आणद के अमूल में आधुनिक प्रबंधन के गुर सीख रहे छत्तीसगढ़ के ग्रामीण

जगदलपुर, 17 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। प्रदेश के बस्तर संभाग में दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण आजीविका को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ निकला पशुपालकों और बिहान समूह की दीदियों का दल गुजरात के बनासकांठा पहुंच गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार की इस दूरगामी पहल के तहत बस्तर के 22 प्रतिनिधियों सहित प्रदेश के कुल 56 सदस्यों का यह दल अब एशिया की सबसे बड़ी डेयरी प्रणालियों में से एक बनास डेयरी और अमूल के विश्व प्रसिद्ध सहकारी ढांचे का प्रत्यक्ष अनुभव ले रहा है। बनासकांठा पहुंचने पर दल के सदस्यों में भारी उत्साह देखा जा रहा है, जहाँ वे सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण की बारीकियों को समझने में जुट गए हैं। उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप स्वयं इस दल का नेतृत्व कर रहे हैं, जो इस दौरे की गंभीरता और राज्य सरकार की प्राथमिकता को दर्शाता है। बस्तर संभाग के इन पशुपालकों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लिए यह भ्रमण केवल एक साधारण अवलोकन मात्र नहीं, बल्कि एक गहन प्रशिक्षण कार्यशाला में तब्दील हो गया है। बनासकांठा के उन्नत और सफल डेयरी मॉडल को देखते हुए प्रतिभागी यह सीख रहे हैं कि कैसे छोटे-छोटे ग्रामीण पशुपालक एक सशक्त सहकारी तंत्र से जुड़कर अपनी आय को कई गुना बढ़ा सकते हैं। दल के सदस्य वहाँ दुग्ध संकलन केंद्रों से लेकर आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयों और गुणवत्ता नियंत्रण की जटिल तकनीकों का भी सूक्ष्मता से अवलोकन कर रहे हैं। विशेष रूप से बस्तर की बिहान दीदियां इस बात पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं कि किस प्रकार महिला उद्यमिता के माध्यम से डेयरी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सकती है, ताकि बस्तर लौटने पर वे स्थानीय स्तर पर इसी तरह के क्लस्टर विकसित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकें। इस अध्ययन भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और अमूल के विशेषज्ञों द्वारा संतुलित पशु आहार, उन्नत नस्ल सुधार और वैज्ञानिक पशुपालन के संबंध में व्यवहारिक और तकनीकी जानकारी दी जा रही है। वन एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप की मंशा के अनुरूप बस्तर का यह दल वहां की कुशल विपणन व्यवस्था और विभिन्न डेयरी उत्पादों के निर्माण की प्रक्रियाओं का भी गहराई से अध्ययन कर रहा है। बनासकांठा की सफलता की कहानियों से रूबरू होकर बस्तर के प्रतिनिधि काफी प्रभावित नजर आ रहे हैं।

हायर सेकंडरी स्कूल छिंदावाड़ा के 18 वर्ष पूर्ण, युवा वर्ष 2026 में विद्यार्थियों की भावुक विदाई

जगदलपुर17 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदावाड़ा में कक्षा 12वीं के छात्र.छात्राओं के लिए विदाई समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच सीताराम मौर्यए शिक्षा समिति अध्यक्ष रामेश्वर नाग और पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अनंत राम कश्यप द्वारा माँ सरस्वती के पूजन व दीप प्रज्वलन से हुआ। समारोह में जूनियर छात्र.छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। प्राचार्य डॉण् गंगा राम कश्यप ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि परीक्षा के तीन घंटे पूरे साल की मेहनत का प्रतिबिंब होते हैंय अनुशासन और सकारात्मकता ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर शिक्षकों ने छात्रों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए। विदाई की बेला में छात्र भावुक नजर आए। कला संकाय के 26 और विज्ञान संकाय के 8 विद्यार्थियों को जूनियर साथियों ने सम्मानित किया।

75: से अधिक अंक लाने पर मिलेगा पुरस्कार

शिक्षा के साथ संस्कारों की महत्ता पर जोर देते हुए सरपंच सीताराम मौर्य ने घोषणा की कि 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75प्रति. से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को 5ए000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अनंत राम कश्यप ने विद्यालय की 18 वर्षों की उपलब्धि पर बधाई देते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उपलब्धि, राजीव निगम को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि

✹ मेट्स यूनिवर्सिटी ने प्रदान की पीएचडी, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर केंद्रित रहा शोध कार्य

जगदलपुर 17 फरवरी (दण्डकारण्य समाचार)। श्री वेद माता गायत्री शिक्षा महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक एवं शहर के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता राजीव निगम के नाम के साथ अब डॉक्टर का गौरवशाली संबोधन जुड़ गया है। हाल ही में मेट्स यूनिवर्सिटी द्वारा उन्हें डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि से विभूषित किया गया है। उनकी इस शैक्षणिक उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि शिक्षा जगत और सामाजिक संगठनों में भी हर्ष का माहौल है। राजीव निगम ने अपना शोध प्रबंध प्रोफेसर परविंदर हंसपाल कौर के कुशल निर्देशन में पूर्ण किया। उनके शोध का मुख्य विषय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व पर सामाजिक, आर्थिक व व्यक्तित्व मूल्यों के प्रभाव का अध्ययन% रहा है। उन्होंने अपने शोध के माध्यम से यह स्पष्ट करने का प्रयास किया है कि किस प्रकार एक विद्यार्थी के चरित्र निर्माण में उसके परिवेश और आर्थिक स्थिति की भूमिका होती है। अपनी इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने गुरुजनों, माता-पिता और सहयोगियों को दिया है। उनके शोध की मौलिकता और विषय की प्रासंगिकता को देखते हुए विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने उनके कार्य की सराहना की है।

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं डॉ. निगम

डॉ. राजीव निगम केवल शिक्षा के क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन भी बखूबी करते हैं। वे गायत्री मंदिर के वरिष्ठ कार्यकर्ता होने के साथ-साथ शहर के स्वच्छता एम्बेसडर भी हैं। %स्वच्छ आवाज% ग्रुप के एंकर के रूप में उनकी पहचान एक प्रखर वक्ता की रही है। उनकी इस नई उपलब्धि से सामाजिक कार्यों में भी एक नया दृष्टिकोण जुड़ने की उम्मीद है।